मनसा सेवा - 11

➢➢ विकारों का बीज भस्म करना

➳ _ ➳ सकरात्मक संकल्पों से नकरात्मक संकल्पों के बीज को भस्म कर दो

→ वाचा के पत्ते नहीं निकलेंगे

→ कर्मणा का तना और टाल टालीया नहीं निकलेंगे

➳ _ ➳ योग अभ्यास

→ **मैं आत्मा परमधाम एक आग का गोले में हूँ...** और उसमें मुझ आत्मा के विकारों के सभी बीज जल कर भस्म हो रहे हैं

➳ _ ➳ साधना के अभाव में

→ विकारों के बीज फिर से उत्पन्न होने में समय नहीं लगती

➳ _ ➳ वैराग्य की तलवार

→ से सभी मायावी बंधन कटेंगे

➢➢ अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ **अब बने तो अंत में बनेंगे**

➳ _ ➳ **अब नहीं तो अंत में भी नहीं**

➳ _ ➳ **इसलिए अल्बेलेपन की नींद से जाग जाओ**

Avyakt Murli Refrence :- Page Number 9 & 10 Of Mansa Sewa Book

---